Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—6507

PAPER—III

Time : 2½ hours] **PERFORMING ARTS** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PERFORMING ARTS

DANCE/DRAMA/THEATRE

अभिनय कला

नृत्य / नाटक/रंगमंच

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

Note : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. The candidates are required to choose their specialisation i.e. Dance or Drama and Answer all Questions from that Specialization only.

नोट : समस्त अनुभाग अनिवार्य है। विद्यार्थी प्रश्नपत्र III से वर्ग 'ए' अथवा वर्ग 'बी' में से किसी वर्ग को चुनें तथा उस वर्ग के समस्त प्रश्नों के उत्तर दें-प्रत्येक अनुभाग से भी प्रश्नों को चुनें। इस प्रश्नपत्र में चार (4) खंड दो सौ (200) अंको के हैं। अभ्यर्थियों को इन खंडो में समाहित प्रश्नों का उत्तर उनमें दिये गये अलग विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5 x 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5 x 5 = 25 कुल अंक)

DANCE / नृत्य

Group - A / समूह - A

A major characteristic of many forms of traditional Indian performance is the existence of two major styles of movement, Tandava and Lāsya. Tandava refers to movement that is strong, vigorous, and typically masculine. Lāsya, on the other hand, is associated with the feminine and is characterized by a lyrical quality, grace and fluidity. The coexistence of both styles as the joining of opposites to make a whole is based on Indian mythology. The god Shiva originated the masculine, powerful, Tandava style, and just as Shiva as incomplete without his consort, Parvati, so must there also exist the feminine, Lāsya style. Since Shiva is believed to manifest his full power only when cojoined with the Shakti or divine feminine energy represented by Parvati, the Tandava without the Lāsya in dance would be incomplete and would create an imbalance in the world. This mythological basis for the contrasting movement styles found in most traditional forms of Indian performing arts is a reflaction of the symbiotic relationship between Indian mythology and its performance traditions.

पारम्परिक भारतीय मंचन कलाओं के अनेक स्वरूपों का एक प्रमुख लक्षण है कि इन में गति की दो प्रधान शैलियाँ, ताण्डव और लास्य विद्यमान रहती हैं। ताण्डव में वह गति है जो सुदृढ प्राणवान और सर्वप्रकारेण पुरुषोचित होती है। दूसरी ओर, लास्य की गति स्त्री सुलभ है और गेयता, गरिमा और तरलता के गुण इस की विशिष्टता है। दोनों शैलियों का सह अस्तित्व जिसमें से दो विपरीतवस्तुओं का एक पूर्ण रूप धारण करने की क्रिया भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। शिव भगवान ने पुरुषोचित और प्राणवान ताण्डव शैली का प्रारम्भ किया। जिस प्रकार शिव महाराज अपनी अर्धंगिनी, पार्वती के बिना अधूरे हैं, इसलिए स्त्री सुलभ लास्य शैली का भी अस्तित्व होना अनिवार्य है। क्योंकि यह विश्वास किया

जाता है कि शिव अपनी कला का पूर्णतया प्रदर्शन तभी कर पाते हैं जब उनके साथ शक्ति अथवा स्त्री सुलभ शक्ति, जिसका प्रतिनिधित्व पार्वती जी करती हैं, आ जुड़ती है। ताण्डव नृत्य में लास्य के समावेश न रहने से विश्व में असंतुलन पैदा हो जायेगा। विपरीतात्मक गति शैलियां जो अनेकों भारतीय मंचन कलाओं में प्राप्य है। उनका आधार पौराणिक कथाएँ हैं जिस से भारतीय पौराणिक कथाओं और इसके मंचीय परम्पराओं के बीच सहजीवी सम्बन्धों की झलक पड़ती है।

DRAMA - THEATRE / नाटक – रंगमंच

Group - B / समूह - B

Unquestionably one of Indians greatest playwrites is Kalidasa, whose dates and life are still uncertain. Scholars hold widely differing views about the period in which Kalidasa lived and worked. There are those who place him as early as 150 B.C. Others place him in the late fifth century A.D. a span of more than five hundred years ! A widely held belief is that he was one of the nine "jewels"- of the Court of King Vikramaditya Mourya, who is thought to have reigned around the midfirst century B.C. Keith place Kalidasa in the early to midfifth century A.D. at the Court of Chandragupta II of Ujjain.

Very little is known of this great literary figure. He is thought to have settled in Ujjain, although his work reflects a wild knowledge of Indian Geography and familiarity with terrain that one might have acquired only through travel. He is thought to have been a Brahman by caste and worshipper of Siva, whom he honors in the benedictions to his plays. The poet wrote only three plays. His poetry in these works and in various poetic compositions is justly celebrated. Abhijnane Shakuntalam is regarded as his masterpiece. His other plays the 'Malvikagnimitra' and 'Vikramurrasiya'; are both named after their central characters.

कालिदास निर्विवाद भारतीय नाटककारों में से शिरोमणि हैं। उनके जीवन वृत के बारे यकीन से कुछ नहीं कहा जा सकता। विद्वानों के मध्य इस बारे में अत्याधिक मतभेद है कि कालिदास किस युग में हुए और उनका रचना काल क्या था। कई विद्वान तो उन्हें 150 ईसापूर्व हुआ मानते है जबकि अन्य विद्वानों का मत है कि वे पांचवी शती ईसवी के उत्तरार्ध में हुए। एक अपुष्ट विश्वास यह भी है कि वे विक्रमादित्य मौर्य के दरबार के नवरत्नों में से एक थे। विक्रमादित्य मौर्य के सम्बन्ध में यह समझा जाता

है कि उन्हौंने प्रथम शती के मध्य, ईसा पूर्व, राज्य किया था। कीथ कालिदास का समय पांचवी शती ईसवी के प्रारम्भ से मध्य तक का मानते हैं। इस काल में वे उज्जैन के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य II के दरबार में थे।

इस साहित्यिक दिग्गज के बारे में बहुत कम जानकारी है। यह समझा जाता है कि वे उज्जैन में बस गए थे यद्यपि उनकी रचनाओं से यह पूर्णतया झलकता है कि उन्हें भारतीय भूगोल, भूखण्डों की भारी जानकारी है जो भ्रमण करने से ही प्राप्त की जा सकती है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि वे ब्राम्हण थे और शिव भगवान के आराधक थे जिनका यशोगान उन्हौंने अपनी नाट्य कृतियों में किया है। उन्हौंने केवल तीन नाटक लिखे। उन नाटकों के अन्तर्गत काव्य की यथोचित श्लघा की गई है। अभिज्ञान शाकुन्तलम को उनकी सर्वश्रेष्ट कृति माना जाता है। उनके अन्य नाटक, 'मालविकाग्निमित्र' और विक्रमोर्वशी, का नामकरण उनके नाटकों के नाम पर हुआ है।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

1. What is a major characteristic of many forms of traditional Indian performance ? Name 4 such forms.
पारम्परिक भारतीय मंचन कलाओं के अनेक स्वरूपों का प्रमुख लक्षण क्या है? ऐसे चार स्वरूपों का नाम लिखिए।

OR / अथवा

Write about the major contribution of Kalidasa in Sanskrit drama.
कालिदास की संस्कृत नाटक को प्रमुख देन क्या है?

2. Define Tandava.
तांडव की व्याख्या है।

OR / अथवा

Why Abhijnana Shakuntalam is regarded Kalidasa's master-piece ?
'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' को कालिदास की सर्वोत्तम रचना क्यों माना जाता है?

3. What is Lāsya ?
लास्य क्या है?

OR / अथवा

Discuss about the period of Kalidasa.
कालिदास के जीवन एवं रचना काल के बारे में लिखें।

4. Can there be Tandava without the Lāsya in Dance ?
क्या नृत्य में लास्य के बिना तांडव हो सकता है?

OR / अथवा

What is the impact of Kalidasa's plays on modern theatre ?
आधुनिक थिएटर पर कालिदास के नाटकों का क्या प्रभाव है?

5. List predominantly Tandava and Lāsya dominated classical dance forms.
नृत्य के उन शास्त्रीय स्वरूपों की सूची तैयारी कीजिए जिन पर ताण्डव और लास्य की प्रधानता रहती है।

OR / अथवा

Which of Kalidasa's plays Kavyas describe nature to its best ?
कालिदास के किन नाटकों-काव्यों में प्रकृति का विषद वर्णन हुआ है?

SECTION - II
खण्ड – II

DANCE, DRAMA / THEATRE
नृत्य, नाटक/रंगमंच

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

6. List the major dances, dance forms and dance rituals as described in Shilpadikaram.
शिलपादीकारम् में वर्णित नृत्य, नृत्यशैली और नृत्य विधियों की सूची बनायें।

OR / अथवा

"Ramayan has influenced Indian theatre". Discuss the statement.
''भारतीय रंगभूमि रामायण से प्रभावित है''।

7. What are the three distinct characteristics of Rama ? He can be classified as which "Nayaka" ?
श्री राम के कौन से तीन विशिष्ट लक्षण है? उन्हें कौनसा ''नायक'' कहा जाये?

OR / अथवा

How much types of stages are mentioned in Natyashastra ? List them.
नाट्य शास्त्र में वर्णित मंच के कितने प्रकार है? उनकी सूची बनाइए।

8. Describe Mārgi and Desi as per Natyashastra.
नाट्यशास्त्र के अनुसार मार्गी एवं देसी का वर्णन करें।

OR / अथवा

Define the four Abinaya-S.
अभिनय के चार प्रकारों को पारिभाषित कीजिए।

9. Identify the three major female characters of Mahabharata in the classification of Nayika-S
महाभारत की तीन मुख्य स्त्री पात्रों को चिन्हीत करके उन्हें ''नायिका'' के वर्गीकरण में बाँटे।

OR / अथवा

Name 4 commentators of Rasa theory. Briefly discuss one of them.
रस सिद्धान्त के चार भाष्यकारों का नाम लिखिए और उन में से किसी एक की संक्षेप में चर्चा करें।

10. Define a Karana and an Angahara.
करण एवं अंगहार की परिभाषा करें।

OR / अथवा

What are the reasons behind the classification of Rupaka according to Dhananjay ?
धनंजय के अनुसार रूपक के वर्गीकरण के पीछे क्या कारण थे?

11. How is Aharya Abhinaya important for a Solo dance style ?
एकल नृत्य पद्धति में आहार्य अभिनय का क्या महत्व है?

OR / अथवा

List the major difference of South Indian and North Indian Tala system.
उत्तरी भारत और दक्षिणी भारत की ताल पद्धति में भेदों की सूची तैयार कीजिए।

12. Describe the dominant states "Rati" and "Jugupsa"
रति एवं जुगुप्सा इन स्थायी भावों का विवरण करें।

OR / अथवा

Bring out the essence of Nautanki.
नौटंकी के मूल तत्वों को उद्घाटित कीजिए।

13. Give the Kinkini Lakshana as per Abhinaya Darpaṇa.
अभिनय दर्पण के अनुसार किंकीणी लक्षण हैं।

OR / अथवा

List the 5 main differences between Kubuki and Noh.
काबुकी और नोह के बीच पाँच मुख्य भेदों को लिखिए।

14. Why the rythm of 4 beats or its multiple is often used in dance ?
नृत्य में चार या उनके चौपड (चारगुणा) का प्रयोग क्यों अधिकम होता है?

OR / अथवा

List 5 names of plays and authors with social relevance theme.
ऐसे 5 नाटकों और नाटककारों की सूची तैयार कीजिए जो सामाजिक विषय-वस्तु से सम्बन्धित हों।

15. Elaborate "Yatha Nritte tatha Chitre".
''यथा नृत्ते तथा चित्रे'' का विस्तार कीजिए।

OR / अथवा

Give 5 differences between Stage plays and Television plays.
मंच नाटकों और टेलिविजन नाटकों के बीच पाँच भेदों को लिखिए।

16. Write the technical terms of basic positions of Kathak, Kathakali, Bharatanatyam, Odissi and Manipuri
कथक, कथकली, भरतनाट्यम, ओड़ीसी और मणिपुरी के मूल स्थानकों का शास्त्रीय संज्ञा (नाम) बताइयें।

OR / अथवा

What is the importance of "Seeta Swayamvar" in Marathi Theatre.
मराठी थिएटर में 'सीता स्वयंवर' का क्या महत्व है?

17. Describe a Varnam.
वर्णम का वर्णन करें।

OR / अथवा

What is "Manch Parikrama" ?
''मंच परिक्रमा'' क्या है?

18. Write briefly on Royal Combodian Ballet.
रोयल कंबोडियन बेलेट के बारे में संक्षेप में लिखें।

OR / अथवा

Why Bharatendu Harishchandra is famous in Indian theatre ?
भारतीय थिएटर में भारतेन्दु हरीशचन्द्र क्यों प्रसिद्ध हैं?

19. Name your favourite choreographer giving reasons.
आपके मनपसंद नृत्य निर्देशक का नाम, कारण सहित, लिखिए।

OR / अथवा

"Nav-anna" (Navanno) is the famous Bengali theatre play. Why ?
''नव-अन्ना'' (नवन्नो) बंगला थिएटर का प्रसिद्ध नाटक है। क्यों?

20. List 5 (each) famous productions of Kalakshetra (Chennai) and Kathak Kendra (New Delhi)
कलाक्षेत्र (चेन्नाई) और कथक केन्द्र (नई दिल्ली) के पाँच-पाँच सुप्रसिद्ध प्राडक्शनों की सूची बनाएं।

OR / अथवा

Write to the point on use of Bhavai for contemporary themes.
तात्कालिक विषयों में भवाई के प्रयोग पर सारगर्भित लिखिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों का पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक/रंगमंच

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

21. What are the different categories of dance sculptures ? Write about each with illustrations.

नृत्यशिल्प के कितने वर्ग हैं? उदाहरण सहित हर एक का वर्णन करें।

OR / अथवा

Elaborate on influence of Shri Krishna on Indian Theatre.

भारतीय थिएटर पर श्री कृष्ण जी के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

22. Discuss the effect of globalization on Indian Classical dances.

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों पर वैश्वीकरण के प्रभाव की चर्चा करें।

OR / अथवा

"Use of street theatre as a tool for social awareness". Plan a play production with reference to AIDS or Literary movement.

सामाजिक जागृतता के लिये नुक्कड़ थीयेटर का उपयोग एक साधन की तरह'' ऐडस या साक्षरता अभियान को लेकर एक नाट्य, प्रयोग की रूपरेखा बनाये।

23. How does a classical dance form get nourished, nurtured, sustain and grow with time ? Write with respect to your own dance style.

शास्त्रीयनृत्य समय के साथ किस तरह से पोषित, पल्लवित एवं निर्वाहित होता है और उसकी वृद्धि कैसे होती है? अपनी नृत्यशैली के आधार पर लिखिए।

OR / अथवा

List the Rupaka-S and discuss any two of them from Dasharupaka.

दशरुपक के आधार से रुपकों की सूची बनायें ओर उनमें से किसी दो का वर्णन करें।

24. Write about dances of Sri Lanka.

श्रीलंका के नृत्यों के बारे में लिखें।

OR / अथवा

Discuss the origin and development of any Indian theatre.

किसी भी भारतीय थिएटर के प्रारम्भ और विकास का विवेचन कीजिए।

25. Write about 4 folk dances of India performed in a circle.

ऐसे चार भारतीय लोक नृत्यों के बारे में लिखें जो वर्तुलाकार में किये जाते हैं।

OR / अथवा

Does Noh of Japan resemble any Indian theatrical form ? Discuss.

क्या जापान का नोह किसी भारतीय थिएटरी रूप से मिलता है? विवेचना कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक/रंगमंच

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

26. How were the women treated in the growth and development of Indian classical dance in the 19th and 20th Century ? Examine the areas of teaching, learning, performing, social and economic status and such. Give your answer with suitable illustrative examples.
उन्नीसवीं औं बीसवी शती के बीच भारतीय शास्त्रीय नृत्य के विकास एवं वृद्धि में औरतों को किस प्रकार दर्शाया, व्यवहार किया गया? सीखना, सिखाना, प्रायोगिक प्रदर्शनी, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को देखते हुए परीक्षण कीजिए। उचित उदाहरण देकर अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

"The influence of colonial rule on Indian theatre". Write in detail with suitable historical facts and examples.
''भारतीय नाट्य पर ब्रिटीश राज्य काल की असर'' उचित ऐतिहासिक प्रमाण और उदाहरण सहित विस्तृत विवरण दें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....